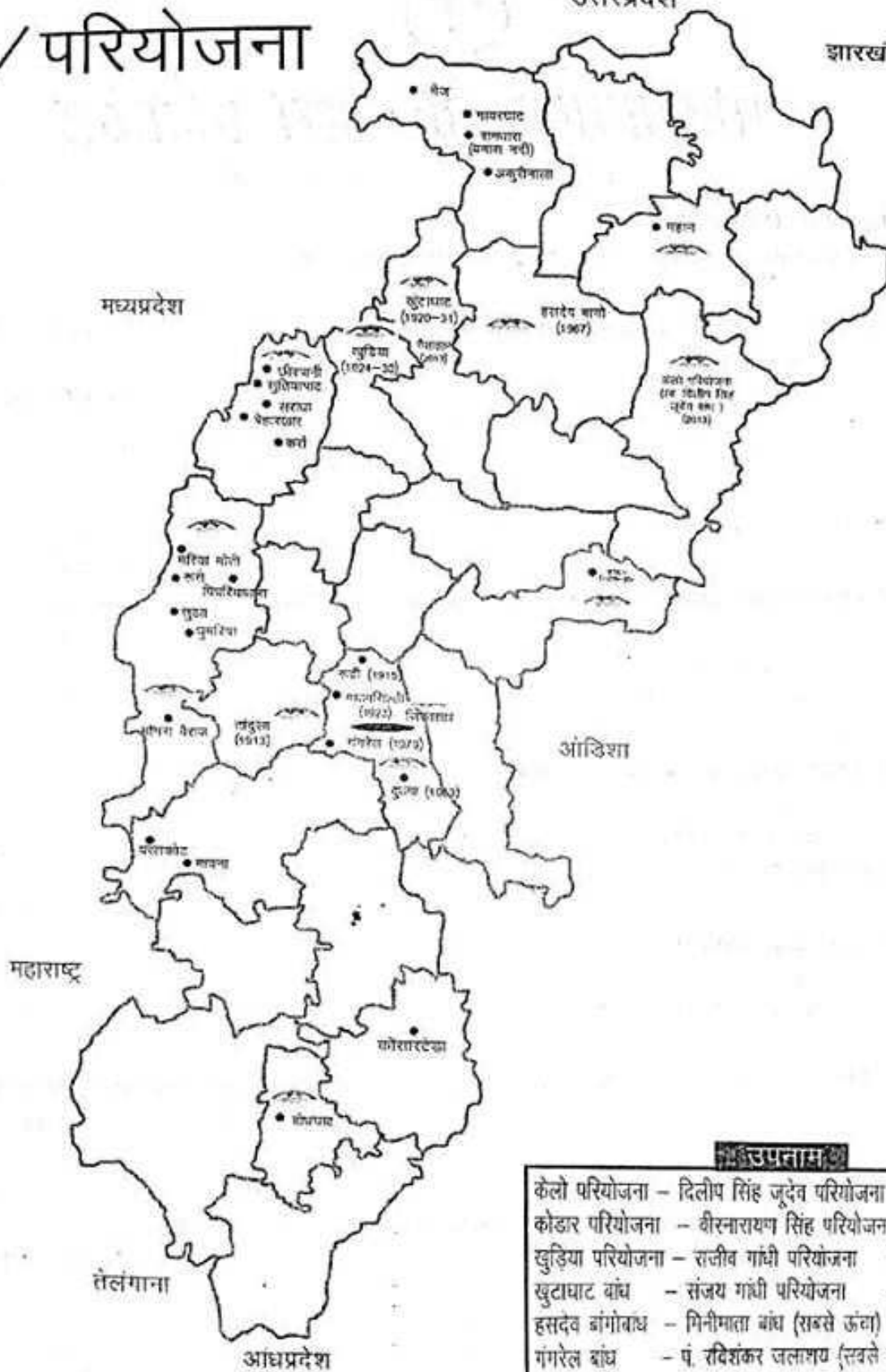


## उत्तरप्रदेश

## झारखंड



उपनाम

केलो परियोजना - दिलीप सिंह जूदेव परियोजना - केलो परियोजना  
कोडार परियोजना - बीरनारायण सिंह परियोजना - कोडार नदी  
खुडिया परियोजना - राजीव गांधी परियोजना - मनियारी नदी  
खुटाघाट बांध - संजय गांधी परियोजना - खारंग जलाशय  
हसदेव बांगोबांध - मिनीमाता बांध (सबसे ऊंचा) - हसदी नदी  
गंगरेल बांध - पं. रविशंकर जलाशय (सबसे बड़ा) - महानदी

15

## परियोजना बांध एवं एनीकेट

### ★ महानदी परियोजना (1980)

यह प्रदेश का सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना है जिसके अंतर्गत निम्नलिखित योजना आते हैं।

#### 1. गंगरेल बांध/रविशंकर जलाशय (Pt. Ravishankar Dam) (धमतरी)

[CG Vyapam (RDP) 2016]

- ◆ स्थापना - 1979
- ◆ नदी - महानदी पर निर्मित
- ◆ यह छ.ग. का सबसे लम्बा बांध है (1365 मीटर)
- ◆ यहां 10 मेगावॉट जल विद्युत परियोजना (Hydro Project) संचालित है। (2004 से)
- ◆ इस जलाशय से भिलाई स्टील प्लांट को जलापूर्ति की जाती है।
- ◆ यह महानदी परियोजना मुख्य बांध है।

[CG VYAPAM (AMN) 2016]

#### 2. माण्डूमसिल्ली/मुरुमसिल्ली जलाशय (Madam Or Murumsilli) (धमतरी)

- ◆ स्थापना - 1923
- ◆ नदी - सिलियारी नदी पर (धमतरी जिला में)
- ◆ यह एशिया का पहला सायफन बांध है।

1. रूद्री वैराज	- 1915
2. माडूमसिल्ली	- 1923
3. दुधवा जलाशय	- 1963
4. गंगरेल बांध	- 1979

#### 3. रूद्री पिक-अप वियर (Rudripick -up Wear) (धमतरी)

- ◆ स्थापना - 1915
- ◆ नदी - महानदी पर निर्मित
- ◆ छ.ग. की प्रथम निर्मित बांध है।

#### 4. दुधवा जलाशय (Dudhva) (धमतरी)

- ◆ स्थापना - 1963
- ◆ नदी - महानदी पर निर्मित (धमतरी जिला में)

★ महानदी कॉम्प्लेक्स :- विश्व बैंक की सहायता से निर्मित महानदी कॉम्प्लेक्स की स्थापना सन् 1979 - 80 में की गई इस तहत पैरी नदी पर सिकासार बांध (मैनपुर, गरियाबंद) तथा सोंदूर नदी पर सोंदूर बांध (धमतरी) बनाया गया।

- ◆ सिकासार में 2006 से विद्युत उत्पादन किया जा रहा है।

#### ★ हसदेव बांगो/ मिनीमाता परियोजना (Minimata\ Hasdev- Bango Projects) (कोरवा)

- ◆ स्थापना - 1967 (छ.ग. की प्रथम बहुदेशीय परियोजना) (First multi purpose Project C.G.) [CG PSC (ACF) 2016]
- ◆ नदी - हसदेव नदी पर निर्मित (माचाडोली कोरवा जिला में)
- ◆ प्रदेश का सबसे ऊँचा बांध (Highest dam of chhattisgarh) (87 मी.)
- ◆ इस बांध पर 120 मेगावॉट जल विद्युत परियोजना संचालित है। जो राज्य की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजना है। (1994)
- ◆ मिनीमाता के नाम पर नामकरण किया गया है।

[CG Vyapam (AMN) 2016]

COMPETITION ACADEMY

❖ केलो/दिलीप सिंह जूदेव परियोजना

◆ नदी - केलो नदी पर स्थित (ग्राम - दनौट रायगढ़)

नोट: - ● इस परियोजना की सिंचाई सुविधा का लाभ रायगढ़ एवं जांजगीर-चांपा को होती है।  
● रायगढ़ जिला में किंकारी नाला (बरमकेला) एवं पुटका नाला (सारंगढ़) स्थित है।

[CGPSC (ACF)2016]

❖ कोडार / वीरनारायण सिंह परियोजना

◆ स्थापना - 1981

◆ नदी - कोडार नदी पर स्थित (महासमुंद)

❖ खुड़िया/राजीव गांधी परियोजना

◆ स्थापना - 1924 - 30

◆ नदी - मनियारी नदी पर स्थित (लोरमी, मुंगेली जिला में)

❖ भैसाझार परियोजना - अरपा नदी बिलासपुर में कोटा विकासखण्ड के समीप ग्राम भैसाझार में।  
- लाभान्वित ग्राम 102 है।

❖ खूंटाघाट / संजय गांधी जलाशय

◆ स्थापना - 1920 - 31

◆ नदी - खारंग नदी पर स्थित (अरपा की सहायक नदी में रतनपुर बिलासपुर)

❖ तांदुला परियोजना (बालोद)

◆ स्थापना - 1913

◆ नदी - तांदुला नदी पर निर्मित।

◆ इस बांध से भिलाई स्टील प्लांट को जलापूर्ति की जाती है।

◆ यह छ.ग. की प्रथम परियोजना है।

❖ मोंगंरा बैराज - शिवनाथ नदी (राजनांदगांव में)

◆ यह छ.ग. का वृहद परियोजना है।

◆ मोंगंरा बैराज फेस II का निर्माण कार्य (मार्च 2016 तक जारी है।)

◆ राजनांदगांव जिला में बांध - धारा, रूसे, मरियामोती, पिपरिया नाला, सुरही, सूखानाला आदि परियोजना है।

❖ घुनघुट्टा परियोजना या श्याम परियोजना - घुनघुट्टा नदी पर (बलरामपुर)

❖ महान परियोजना - महन नदी पर (सरगुजा)

❖ बोधघाट परियोजना - इन्द्रावती नदी परियोजना, दंतेवाड़ा में

❖ सोंदूर जलीय परियोजना - धमतरी जिला के नगरी तहसील में ग्राम मेचका के समीप सोदूर नदी पर

❖ छीरपाणी परियोजना

सुतियापाट परि.

बेहार खार परि.

करानाला परियोजना

सरोदा बैराज परि.

कबीरधाम

## वर्तमान

(स्रोत - आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17, पेज - 96)

	2000	दिसम्बर 2016
वृहद परियोजना	03	08 (04 निर्माणाधीन)
मध्यम परियोजना	29	35 (04 मध्यम)
लघु	1945	2432 (565 लघु परियोजना)
	13.28 लाख हेक्टे.	20.03 लाख हेक्टेयर (06.75 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है।)

## निर्माणाधीन

वृहद परियोजना	मध्यम परियोजना	ऐनीकेट
1. खारंग जलाशय	1. धुमरिया नाला बैराज - राजनांदगांव में (छुरिया) (जोशीन ग्राम के नजदीक धुमरिया नदी में)	समोदा बैराज शिवरीनारायण बैराज
2. मनियारी जलाशय	2. सूखा नाला बैराज - राजनांदगांव (डोगरगांव) (बहुमनी कोरिग्राम में सूखा नदी)	साराडीह बैराज [CG PSC & CG Vyapam 2016] वंसतपुर बैराज, गिरौनी बैराज, कलमा बैराज [CG VYAPAM (Cros) 2017]

## नदी परियोजनाएँ

क्र.	बौध	नदी	सन	उपनाम	जिला
1.	केलो परियोजना	केलो नदी	2012	स्व. दिलीप सिंह जुदेय	रायगढ़
2.	खुड़िया	मनियारी	1930	राजीवगांधी परियोजना	मुंगेली
3.	खूँटाघाट	खारंग	1920	संजयगांधी परियोजना	बिलासपुर
4.	कोडार बांध	कोडार नदी	1981	शहीद वीरनारायण सिंह परियोजना	महाराष्ट्र
5.	गंगरेल बांध	महानदी	1979	रविशंकर जलाशय	धमतरी
6.	हसदेवबांगो	हसदेव	1967	मिनीमाता परियोजना	कोरिया

## अन्य नदी परियोजनाएँ

- ◆ खेरकेटा जलाशय - पंखाजुर (कांकेर)
- ◆ दलपत सागर (बस्तर में) - छ.ग. का सबसे बड़ा झील है।
- ◆ कुंवरपुर परियोजना - सरगुजा की प्रथम परियोजना जो कि चुलहट नाले पर निर्मित है।
- ◆ कोसारटेड़ा परियोजना - बस्तर जिले में इंद्रावती नदी पर निर्मित है।
- ◆ जोंक परियोजना - बलौदाबाजार
- ◆ बलार परियोजना - बलौदाबाजार
- ◆ खपरी परियोजना - दुर्ग
- ◆ गोबरी, गेज परियोजना - कोरिया

[CG Vyapam 2016]

## प्रस्तावित परियोजना:-

1. बोधघाट बहुददेशीय परियोजना - इंद्रावती नदी बरसुर - दंतेवाड़ा
2. कर्षा नाला बैराज परियोजना - कवर्धा जिले में

## नदी जोड़ों परियोजना (Intra River Linking Project)

1. अहिरन नदी (कोरबा में प्रवाहित) को बिलासपुर के खारंग नदी (खूँटाघाट, बिलासपुर) में जोड़ा जायेगा।
2. कोरिया जिले में हसदेव एवं केवई नदी को जोड़ने का परियोजना है, यह केवई नदी मनेन्द्रगढ़, जिला कोरिया के बैरागी ग्राम से उदगम होता है।

क्र.	परियोजना का नाम	स्थापना वर्ष	नदी का नाम	जिला
01.	खपरी (KHAPRI)	1908		दुर्ग (Durg)
02.	तांदुला (TANDULA)	1913	तांदुला	बालोद (Balod)
03.	मुरुमसिल्ली (MURUMSILLI)	1923	सिलयारी	धमतरी (Dhamtari)
04.	खूरिया डैम (KHURIYA DAM)	1930	मनियारी	मुंगेली (Mungeli)
05.	खूँटाघाट (KHUNTAGHAT)	1920-31	खारंग	बिलासपुर (Bilaspur)
06.	गोंदली (GONDLI)	1956		बालोद (Balod)
07.	धूधवा (DUDHAWA)	1963	माहानदी	धमतरी (Dhamtari)
08.	सरोदा (SARODA)	1963		कबीरघाम (Kabirdham)
09.	सूरही (SURHI)	1966		राजनांदगाँव (Rajnandgaon)
10.	घूँघवा (GHUGHWA)	1967		रायपुर (Raipur)
11.	हसदेव बागों (HASDEO BARRAGE)	1967	हसदेव	कोरबा (Korba)
12.	खरखरा (KHARKHARA)	1967	खरखरा	बालोद (Balod)
13.	चुहियापाट (CHURIYAPAT)	1972		सरगुजा (Surguja)
14.	परलकोट (PARALKOT)	1973		नारायणपुर (Narayanpur)
15.	गोबरी (GOBRI)	1976		कोरिया (Koria)
16.	सिकासार (SIKHASAR)	1977	पैरी	रायपुर (Raipur)
17.	रविशंकर (R.S. SAGAR)	1979	महानदी	धमतरी (Dhamtari)
18.	कोडार प्रोजेक्ट (KODAR PROJECT)	1981	कोडार	महासमुन्द (Mahasamund)
19.	किनकारी नाला (KINKARI NALA)	1982	किनकारी	रायगढ़ (Raigarh)
20.	पुटका नाला (PUTKA NALA)	1982	पुटका नाला	रायगढ़ (Raigarh)
21.	मिनीमाता बागों (MINIMATA BANGO)	1990	हसदेव	कोरबा (Korba)
22.	घुनघुड़ा जला (GHUNGHUTTA TANK)	2000	घुनघुड़ा	सरगुजा (Surguja)
23.	गेज रिजर्वर (GEJ RESERVIOR)	2002		कोरिया (Koria)
24.	कोसार्टेडा (KOSARTEDA)		कोसार्टेडा	बस्तर (Bastar)
25.	घोंघा परियोजना		घोंघा	बिलासपुर (Bilaspur)
26.	रामावतार जलाशय			बिलासपुर (Bilaspur)
27.	महान परियोजना		महान	सरगुजा (Surguja)
29.	श्याम परियोजना		घुनघुड़ा	बलरामपुर (Balrampur)
30.	क्षिरपानी परियोजना			कबीरघाम (Kabirdham)
31.	सुतियपाट परियोजना			कबीरघाम (Kabirdham)
32.	बेहारखार परियोजना			कबीरघाम (Kabirdham)
33.	मोंगरा बेराज परियोजना		शिवनाथ	राजनांदगाँव (Rajnandgaon)
34.	मरियामोती परियोजना			राजनांदगाँव (Rajnandgaon)
35.	रुसे धारा परियोजना			राजनांदगाँव (Rajnandgaon)
36.	पिपरिया नाला परियोजना			राजनांदगाँव (Rajnandgaon)
37.	झुमका परियोजना			कोरिया (Koriya)
38.	मयान परियोजना			कांकर (Koriya)
39.	रोगदा जलाशय			जांजगीर (Akaltra)



16

# वन , वन्यजीव एवं अभयारण्य

## प्रदेश में वन की स्थिति

### IFSR(Indian State Forest Report - 2015) – देहरादून

(यह भारत सरकार के द्वारा जारी किया जाता है।)

- ♦ वनों का क्षेत्रफल – 55,586 वर्ग किमी.
- ♦ वृक्षा आवरण का क्षेत्रफल – 3629 वर्ग किमी.
- ♦ कुल वन क्षेत्रफल (वन + वृक्षावरण) – 59,215 वर्ग किमी.
- ♦ वनों का प्रतिशत – 43.80 प्रतिशत [CG PSC (RDA)2014],[CG PSC (MI)2014]
- ♦ भारत के कुल वनों का 7.46 प्रतिशत वन छ.ग. में है। [CG PSC (RDA)2014],[CG PSC (MI)2014]

वनों के क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्यों का क्रम—

- ♦ 1. मध्यप्रदेश(77462), 2. अरुणाचलप्रदेश(67248), 3. छत्तीसगढ़(55586 वर्ग किमी.) [CG PSC (ACF)2016]
- ♦ छ.ग. भारत का तीसरा अत्यधिक वनाच्छादित राज्य है। [CG Vyapam (Patwari)2016],[CG Vyapam (Lio)2015]
- ♦ राज्य के प्रति व्यक्ति वन एवं वृक्षावरण – 0.232 हेक्टे.

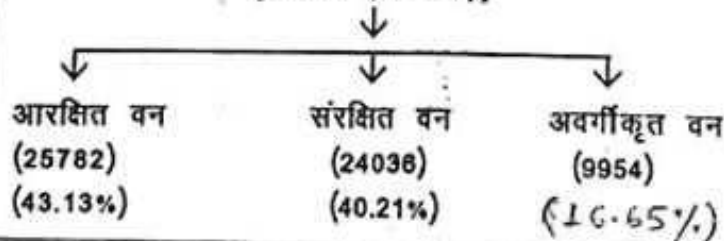
### राज्य के रिकार्डेड वन

(राज्य सरकार के वन मंत्रालय के अनुसार)

(स्रोत—आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17,पृष्ठ-117)

### छ.ग. में वनों का क्षेत्रफल

[59772 (44.21%)]



- ♦ भारत संघ में तीसरे स्थान पर
- ♦ देश के कुल वन का 12.26 प्रतिशत है।
- ♦ छ.ग. के सरगुजा जिले में सबसे अधिक वन क्षेत्र है।
- ♦ जांजगीर-चांपा में सबसे कम वन क्षेत्र है।

[CG PSC (Pre) 2013]

[CG PSC (Pre) 2013]

## वनों का वर्गीकरण

छ.ग. से कर्क रेखा गुजरने के कारण यहां की जलवायु ऊष्ण कटिबंध क्षेत्र के अंतर्गत आती है। प्रदेश में मुख्य रूप से वनों को ऊष्ण कटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन के अंतर्गत रखा गया है। प्रदेश के वनों में पर्याप्त विविधता है। छ.ग. के वनों को तीन आधारों पर विभाजित किया जा सकता है।

- ♦ भौगोलिक क्षेत्रफल के दृष्टि से छ.ग. के दंतेवाड़ा का वन क्षेत्रफल सर्वाधिक है।

[CG PSC MI - 2014]

वनो का वर्गीकरण							
प्रशासनिक			प्रजातीय बहुलता			प्राकृतिक / भौगोलिक	
	क्षेत्र.	प्रति.		क्षेत्र.	प्रति.	प्रति.	
— आरक्षित	25,782	43.13%	— मिश्रित	26,012	43.52%	— उष्णकटिबंधीय शुष्क	51.65%
— संरक्षित	24,036	40.21%	— साल	24,244	40.56%	— उष्णकटिबंधीय आर्द्र	47.69%
— अवर्गीकृत	9,954	16.65%	— सागौन	5,633	9.42%		

### प्रशासनिक आधार पर

राज्य के वनों को प्रशासनिक आधार पर वर्गीकरण इस प्रकार से है।

#### 1. आरक्षित वन (Reserved forests)

- क्षेत्रफल — 25,782 वर्ग किमी.
- प्रतिशत — 43.13 प्रतिशत
- छ.ग. के राष्ट्रीय उद्यान आरक्षित वन के अंतर्गत आते हैं।
- इस क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से प्रवेश वर्जित होता है।
- यह पर्यावरण, जैवविविधता व वन्य जीवों की सुरक्षा एवं संवर्धन हेतु आरक्षित होते हैं।
- यहां वनस्पति मृदा व वन्य जीव आदि का संवर्धन किया जाता है।

[CG PSC (EAP) 2016]

#### 2. संरक्षित वन (Protected forests)

- क्षेत्रफल — 24,036 वर्ग किमी.
- प्रतिशत — 40.21 प्रतिशत
- इन वनों में स्थानीय निवासियों को लघु वनोपज संग्रहण, जलाऊ लकड़ी एवं पशुचारण की सीमित मात्रा में अनुमति होती है।

[CG PSC (EAP) 2016]

#### 3. अवर्गीकृत वन (Non Classified forests)

- क्षेत्रफल — 9,954 वर्ग किमी.
- प्रतिशत — 16.65 प्रतिशत
- यह नगर एवं गाँव से लगे खुले वन हैं जो राजस्व विभाग के नियंत्रण में आते हैं।

## प्रजातिय बहुलता के आधार पर

प्रदेश के वनों का सामान्यतः ऊष्ण कटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वनों के अंतर्गत रखा जाता है क्योंकि प्रदेश में वार्षिक वर्षा औसत 138 - 140 सेमी. होती है। राज्य के प्रजातिया बहुलता के आधार पर प्रमुख रूप से तीन प्रकार वन पाए जाते हैं।

### 1. मिश्रित वन (Mixed forests)

- ♦ क्षेत्रफल - 26012 वर्ग किमी.
- ♦ प्रतिशत - 43.52 प्रतिशत
- ♦ विस्तार - दुर्ग, रायपुर, महासमुंद, जशपुर, कोरिया, वनमंडल आदि (या मध्य छ.ग.)
- ♦ राज्य के सर्वाधिक क्षेत्र में विस्तृत वन है।

[CG PSC (Asst.DH)2011]

### 2. साल वन (Sal/teak forests)

- ♦ साल वन सदाबहार (Ever Green Forest) वन है।
- ♦ क्षेत्रफल - 24244 वर्ग किमी.
- ♦ प्रतिशत - 40.56 प्रतिशत
- ♦ यह छ.ग. का राजकीय वृक्ष है।
- ♦ बस्तर को साल वनों का द्वीप कहा जाता है।
- ♦ विस्तार - बस्तर, दक्षिण सरगुजा, कांकेर, गरियाबंद, दुर्ग राजनांदगांव आदि।
- ♦ प्रदेश में सर्वोत्तम किस्म के साल वन केशकाल घाटी (कौंडागांव) पाये जाते हैं।

[CG PSC 2008]

[CG PSC (Pre) 2014]

[CG Vyapam 2009]

### 3. सागौन वन (Sagwan forests)

- ♦ क्षेत्रफल - 5633 वर्ग किमी.
- ♦ प्रतिशत - 9.42 प्रतिशत
- ♦ विस्तार - नारायणपुर, बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, कांकेर, धमतरी, कवर्धा आदि।
- खुरसेल घाटी (Khursel Valley) (नारायणपुर) में सर्वोत्तम प्रकार के सागौन पायी जाती है।
- ♦ - चिल्कीघाटी (कबीरघाम)

[CG PSC (Pre) 2014]

[CGPSC (ACF) 2011]

## प्राकृतिक आधार पर/भौगोलिक आधार पर (Geographical Classification)

वैश्वियन व सेठ की वन वर्गीकरण पद्धति के आधार पर छ.ग. में 10 विभिन्न प्रकार के वन पाए जाते हैं। इन्हे सम्मिलित रूप से दो प्रकार के वन समूहों में बांटा गया है।

### 1. ऊष्ण कटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन (Arid tropical Damp Deciduous forests)

- ♦ प्रतिशत - 47.69%
- ♦ विस्तार - (100 - 150) सेमी. वर्षा वाले क्षेत्रों में
- ♦ यहां केवल वनोपज की प्राप्ति होती है।
- ♦ इस प्रकार का वन उत्तरी एवं दक्षिणी वन वृत्त में पाये जाते हैं।
- ♦ साल और सागौन वन इसके अंतर्गत आते हैं।

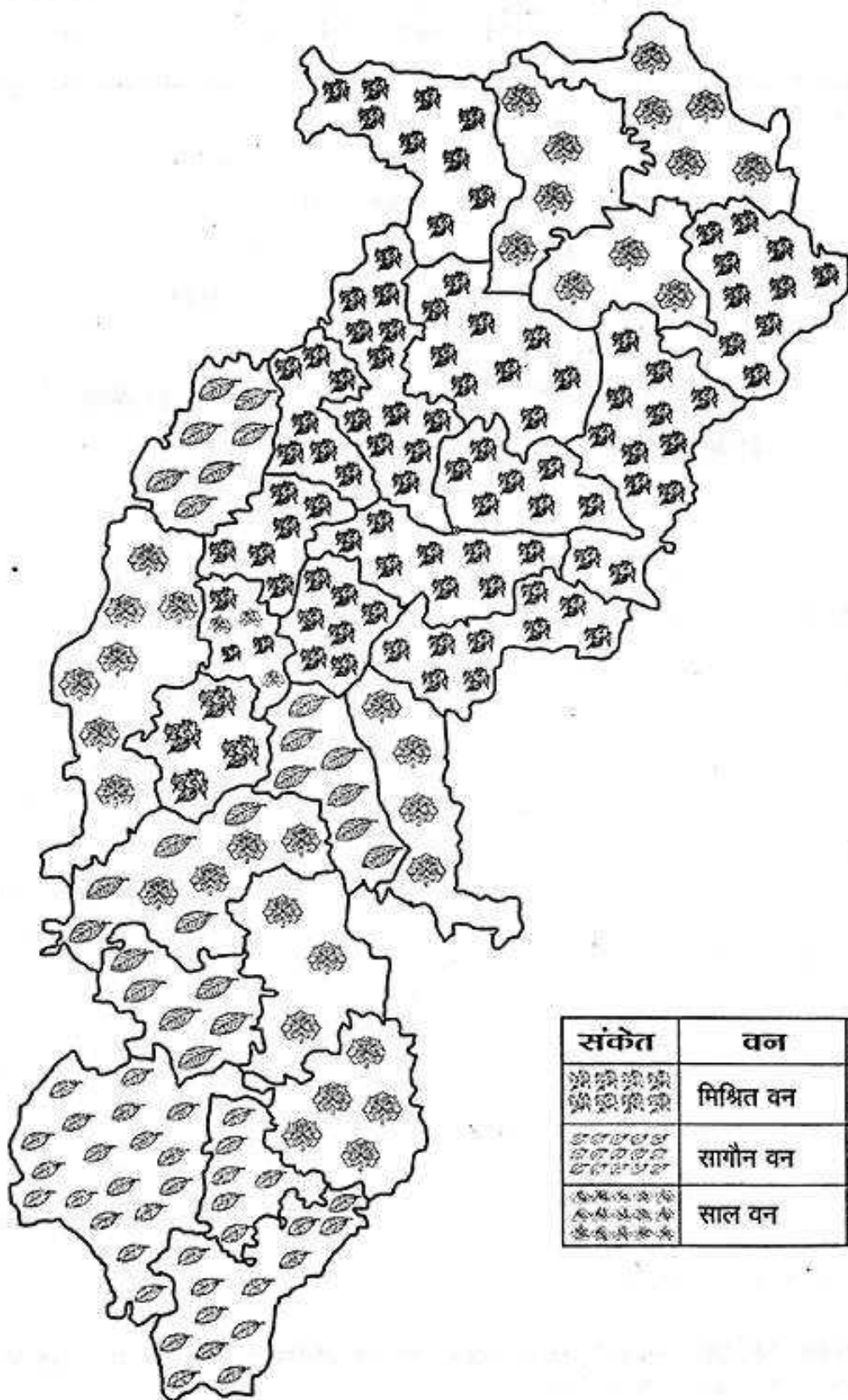
### 2. ऊष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन (Arid tropical Dry Deciduous forests)

- ♦ प्रतिशत - 51.65%
- ♦ विस्तार - 75 - 100 सेमी वर्षा वाले क्षेत्रों में
- ♦ यहां वनोपज एवं लकड़ी दोनों की प्राप्ति होती है।
- ♦ इस प्रकार का मुख्य रूप से महानदी बेसिन में पाये जाते हैं। ---
- ♦ मिश्रित वन इसके अंतर्गत आते हैं।

नोट:- छ.ग. में मुख्यतः ऊष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन पाये जाते हैं। परंतु जशपुर क्षेत्र में ऊष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन महानदी बेसिन में मिश्रित वन पाये जाते हैं। (छ.ग. में पतझड़ वन पाये जाते हैं।)

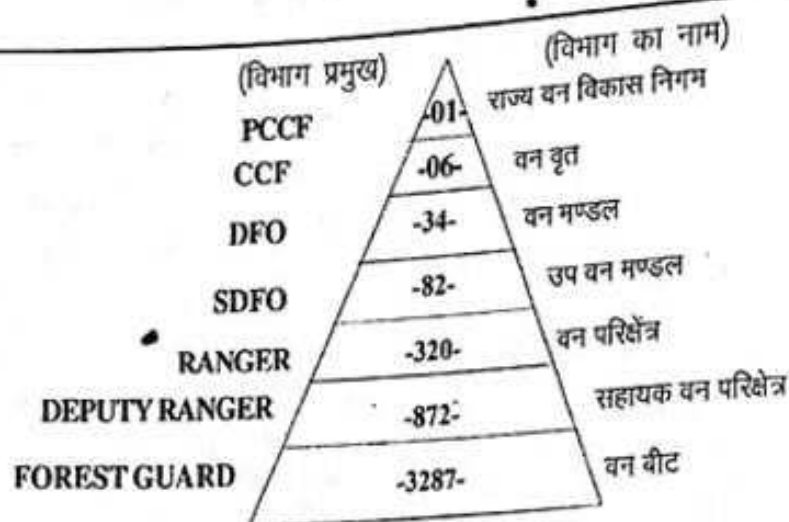


# वनस्पतियाँ



संकेत	वन	प्रतिशत
	मिश्रित वन	43.52%
	सागौन वन	9.42%
	साल वन	40.56%

## वन प्रशासन



	18 जिला के अनुसार	27 जिला के अनुसार
क्षेत्रफल	सर्वाधिक - सरगुजा न्यूनतम - जौजगीर-चांपा	बीजापुर रायपुर
प्रतिशत	सर्वाधिक - दंतेवाड़ा न्यूनतम - जौजगीर-चांपा	बरतार, नारायणपुर रायपुर

### मुख्य वनोपज

मुख्य वनोपज के अंतर्गत काष्ठ उत्पाद व जलाऊ लकड़ी को रखा गया है। इन्हे इमारती लकड़ी भी कहा जाता है। प्राप्त देश में 13 नु प्रजातियों को इमारती लकड़ी घोषित किया गया है। जिसमें 6 राष्ट्रीयकृत प्रजातियां छ.ग. में पायी जाती है। यह इस प्रकार से है। छ.ग. की मुख्य वनोपज - साल, शीशम, साजा, सागौन, खैर, बीजा।

### लघु वनोपज

लघु वनोपज में बांस, तेंदुपत्ता, खैर, इमली, महुआ, धिरौजी आदि आते हैं। जिसका क्रम मूल्य के निर्धारण हेतु अपेक्स समिति गठन कलेक्टर की अध्यक्षता में किया जाता है।

#### 1. बांस वन (Bamboo forests)

- ◆ क्षेत्रफल - 6556 वर्ग किमी.
- ◆ प्रतिशत - 11 प्रतिशत
- ◆ विस्तार - राज्य के तटीय जिलों में

ICG PSC (ABEO) - 2014

#### विशेष:-

- ◆ छ.ग. में सर्वाधिक लाठी बांस (Dendra Culamus Strictus) नर बांस का विस्तार है जो मुख्यतः नरबांस होते हैं।
- ◆ सरगुजा संभाग में कटंग बांस पाये जाते हैं।
- ◆ बांस छ.ग. के वन राजस्व का 12 प्रतिशत हिस्सा है।
- ◆ बांस लघु वन उपज राजस्व का 20 प्रतिशत है।

## 2. तेंदुपत्ता (Tendu Leaf) -

- ♦ देश के कुल तेंदुपत्ता का 17 प्रतिशत छ.ग. में उत्पादित होता है। [CG PSC AD Agri, AVSAD Fish 2012 - 2013], [CG PSC (Pre) - 2013]
- ♦ तेंदुपत्ता छ.ग. का लघु वनोपज है। [CG PSC Mining - 2010]
- ♦ तेंदुपत्ता एक राष्ट्रीयकृत वनोत्पाद है जिसे समर्थन मूल्य पर संग्रहण किया जाता है। [CG PSC (PRE.) 2016]

## 3. खैर (khair)

- ♦ खैर के वृक्ष से कत्था प्राप्त किया जाता है।
- ♦ सरगुजा के खैरवार जनजाति द्वारा खैर वृक्ष से परंपरागत कत्था निकालने का कार्य किया जाता है।
- ♦ कत्था निकालने हेतु अम्बिकापुर में सरगुजा, बुड प्रोडक्ट है।

## 4. रतनजोत

- ♦ रतनजोत से बायोडीजल प्राप्त किया जाता है।

## 5. लाख

- ♦ पलास, बेर, कुसुम के पौधे से।
- ♦ भारत में दुसरे क्रम का लाख उत्पादन राज्य है।

[CG VYAYAM (FCPR) 2016]

## वनो का प्रबंधन

**वन वृत्त (Forest Circle)** - वनो की देखरेख हेतु प्रदेश को 6 वन वृत्त में तथा उसके अंतर्गत 34 वन मंडल (Forest Division) में विभाजित किया गया है।

1. बिलासपुर वन वृत्त	-	14002 वर्ग किमी. (सबसे बड़ा वन वृत्त)
2. जगदलपुर वन वृत्त	-	12417 वर्ग किमी.
3. सरगुजा वन वृत्त	-	12091 वर्ग किमी.
4. कांकेर वन वृत्त	-	10001 वर्ग किमी.
5. रायपुर वन वृत्त	-	7262 वर्ग किमी.
6. दुर्ग वन वृत्त	-	5201 वर्ग किमी. (सबसे छोटा वन वृत्त)

[CG PSC (SEE) 2016]

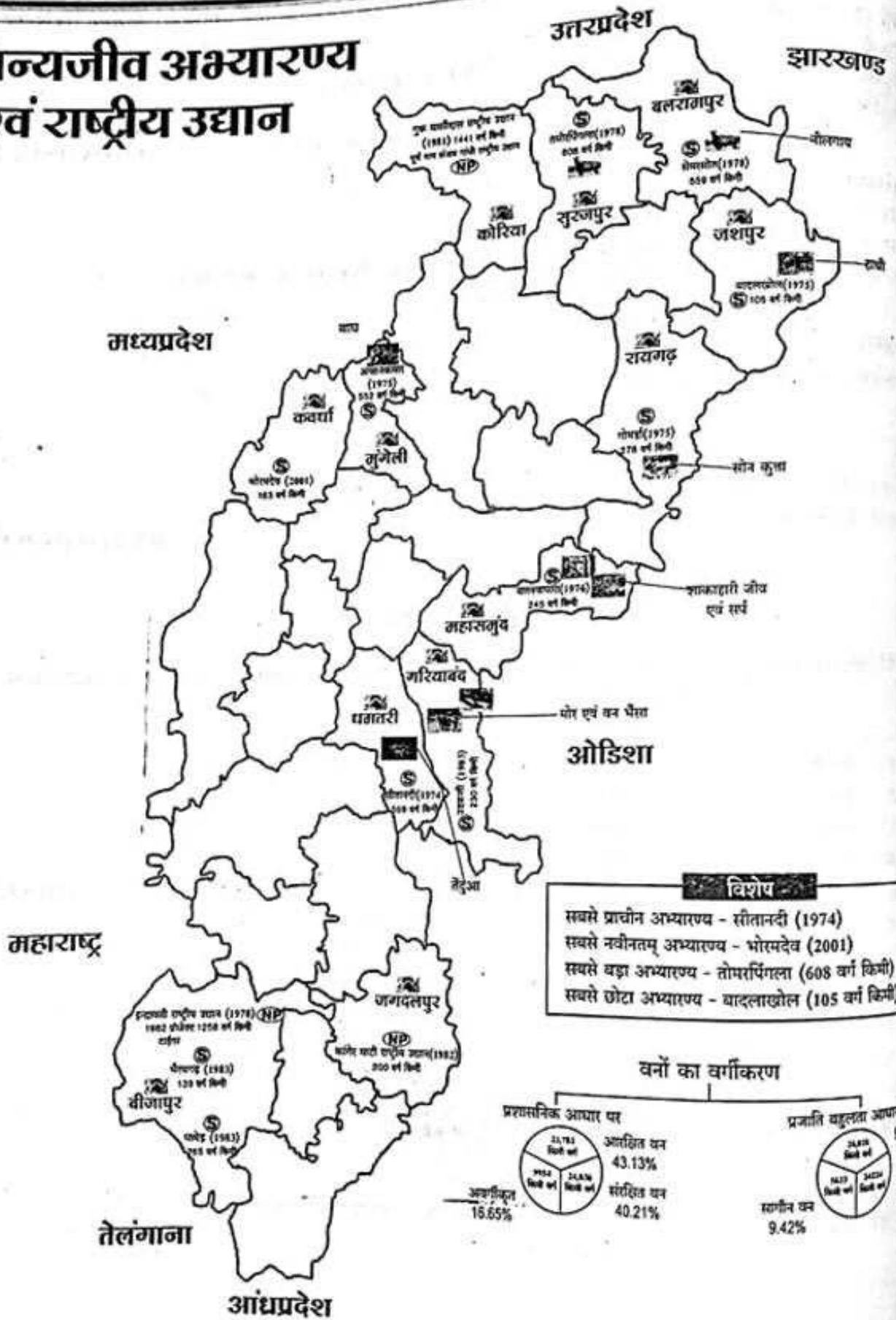
## वन प्रशिक्षण संस्थान

- ♦ वनपाल प्रशिक्षण संस्थान - जगदलपुर
- ♦ वनरक्षक प्रशिक्षण संस्था - 1. शक्ति, 2. महासमुंद, 3. जगदलपुर

## विशेष:-

- ♦ छ.ग. को हर्वल स्टेट का दर्जा दिया गया - 4 जुलाई 2001
- ♦ छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल का मुख्यालय - भिलाई
- ♦ वन मुख्यालय - रायपुर
- ♦ वन अनुसंधान केन्द्र - बिलासपुर, रायपुर, जगदलपुर

# वन्यजीव अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान



## राष्ट्रीय उद्यान (National Park)

- ◆ केन्द्र स्तर पर वन्यजीवों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना की जाती है।
- ◆ राष्ट्रीय उद्यान वन्य जीवों के संवर्धन के लिए अनुकूल प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध है।
- ◆ राष्ट्रीय उद्यान, आरक्षित वन क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।
- ◆ वर्तमान में छ.ग. में 3 राष्ट्रीय उद्यान स्थापित हैं।

[CG PSC (RDO)2014]

### 1. इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान (Indravati National Park)

- ◆ स्थापना - 1978
- ◆ स्थान - बीजापुर
- ◆ क्षेत्रफल - 1258 वर्ग किमी
- ◆ प्रमुख पशु - टाईगर
- ◆ छ.ग. का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान
- ◆ छ.ग. का एकमात्र कुटुरु गेम सेंचुरी (बीजापुर) इसी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है।
- ◆ इस राष्ट्रीय उद्यान के मध्य में इन्द्रावती नदी प्रवाहित होती है।
- ◆ राज्य का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान जिसे प्रोजेक्ट टाईगर (1982 - 83) घोषित किया गया है।
- ◆ प्रदेश सरकार ने 2009 में यहां टाईगर रिजर्व लागू किया।

[CG PSC (RDA)2014]

[CG PSC (Nap taul) 2013]

### 2. गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान (Guru Ghasidash National Park)

- ◆ स्थापना - 1981
- ◆ पुराना नाम - संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान
- ◆ स्थान - कोरिया व सूरजपुर
- ◆ क्षेत्रफल - 1441 वर्ग किमी.
- ◆ प्रमुख पशु - नीलगाय , बाघ , तेंदुआ , सांभर आदि।
- ◆ क्षेत्रफल की दृष्टि से छ.ग. का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान।
- ◆ सर्वाधिक बाघ पाए जाते हैं।

[CG PSC (SEE)2016] , [CG PSC (Librarian) 2014]

[CG Vyapam (CROS) 2017]

### 3. कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (Kanger Valley National Park)

- ◆ स्थापना - 1981-82
- ◆ स्थान - बस्तर
- ◆ क्षेत्रफल - 200 वर्ग किमी.
- ◆ प्रमुख पशु - पहाड़ी मैना, उड़न गिलहरी
- ◆ यह राज्य का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान है
- ◆ इस उद्यान में भैंसादरहा नामक स्थान पर प्राकृतिक रूप से मगरमच्छ पाए जाते हैं।
- ◆ वर्ष 1982 में इसे एशिया का पहला बायोस्फीयर घोषित किया गया था। लेकिन वर्तमान में यह लागू नहीं है।

[CG PSC (Mains) 2011]

[CG PSC (Librarian)2014]

[CG PSC (Pre) 2013]

[CG PSC (ABEO)2012]

- ◆ कांगेर घाटी के बीचों बीच कांगेर नदी बहती है इस कारण इसका नाम कांगेर घाटी पड़ा।
- ◆ छ.ग. की राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना का संरक्षण किया गया है।
- ◆ कांगेर घाटी में उड़न गिलहरी एवं रिसर्स बन्दर पाए जाते हैं।
- ◆ कांगेर घाटी में कुदुम्बसर गुफा स्थित है। जिसमें अंधी मछली पाई जाती है।



## अभ्यारण्य (Sanctuaries)

- ♦ वन्य जीव संरक्षण की दिशा में प्रदेश में अभ्यारण्यों की स्थापना की गई है जो संरक्षित वन क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।  
छ.ग. में कुल 11 अभ्यारण्य हैं जो निम्नलिखित हैं। [CG PSC (RDA) - 2014]

क्र. (S.N.)	अभ्यारण्य (Sanctuaries)	स्थान (Dist)	स्थापना वर्ष (Established Year)	क्षेत्रफल (Area)	
1.	तमोरपिंगला (सबसे बड़ा)	सुरजपुर	1978	608 वर्ग किमी.	[CG PSC (RDO) 2014] [CG Vyapam (FI) 2008]
2.	सेमरसोत	बलरामपुर	1978	430 वर्ग किमी.	
3.	बादलखोल (सबसे छोटा)	जशपुर	1975	105 वर्ग किमी.	[CG PSC (Librarian) 2014]
4.	गोमरदा	रायगढ़	1975	278 वर्ग किमी.	[CG PSC (ARO) 2014]
5.	बारनवापारा	महासमुंद	1976	245 वर्ग किमी.	[CG PSC (ADHIS) 2014]
6.	उदन्ती	गरियाबंद	1983	230 वर्ग किमी.	[CG PSC (Librarian) 2014]
7.	सीतानदी (सबसे प्राचीन)	धमतरी	1974	559 वर्ग किमी.	
8.	अचानकमार	मुंगेली	1975	552 वर्ग किमी.	
9.	भोरमदेव (सबसे नवीन)	कवर्धा	2001	163 वर्ग किमी.	
10.	भैरमगढ़	बीजापुर	1983	139 वर्ग किमी.	[CG PSC (Engg.) 2015] [CG PSC (Pre) 2016]
11.	पामेड़	बीजापुर	1983	265 वर्ग किमी.	

### संक्षेप में वर्णन

#### 1. तमोरपिंगला (Tamorpingla)

- ♦ जिला - सुरजपुर
- ♦ स्थापना - 1978
- ♦ क्षेत्रफल - 608 वर्ग किमी.

#### विशेषताएँ:-

- ♦ सर्वाधिक मात्रा में नीलगाय (Nilgai) पाई जाती है।
- ♦ यह छ.ग. की सबसे बड़ी अभ्यारण्य है।

#### 2. सेमरसोत (Semarsot)

- ♦ जिला - बलरामपुर
- ♦ स्थापना - 1978
- ♦ क्षेत्रफल - 430 वर्ग किमी.

#### विशेषताएँ:-

- ♦ सर्वाधिक मात्रा में नीलगाय पाया जाता है।
- ♦ दर्शनीय स्थल - 1. पर्वई जलप्रपात 2. तातापानी

[CG Vyapam (FI) - 2008]

## 3. बादलखोल (Badalkhol)

- ♦ जिला - जशपुर
- ♦ स्थापना - 1975
- ♦ क्षेत्रफल - 105 वर्ग किमी.

## विशेषताएँ:-

- ♦ छ.ग. का सबसे छोटा अभ्यारण्य है।

## 4. गोमरदा (Gomarada)

- ♦ जिला - रायगढ़
- ♦ स्थापना - 1975
- ♦ क्षेत्रफल - 278 वर्ग किमी.

## विशेषताएँ:-

- ♦ सोनकुत्ता पाया जाता है।

[CGPSC (ARO) 2014]

## 5. बारनवापारा (Barnwapara)

- ♦ जिला - महासमुंद
- ♦ स्थापना - 1976
- ♦ क्षेत्रफल - 245 वर्ग किमी.

## विशेषताएँ:-

- ♦ शाकाहारी जानवर पाए जाते हैं। साथ ही सर्वाधिक सर्प पाये जाते हैं।
- ♦ बारनवापारा अभ्यारण्य के बीचों बीच बलमदेई नदी गुजरती है। जिसमें देवघारा जलप्रपात स्थित है।
- ♦ तुरतुरिया आश्रम (महासमुंद) स्थित है। (वाल्मिकी आश्रम में लवकुश का जन्म हुआ था)

[CGPSC (ADHIS) 2014]

[CGPSC (SEE) 2016]

## 6. उदयन्ती (Udyanti)

- ♦ जिला - गरियाबंद
- ♦ स्थापना - 1983
- ♦ क्षेत्रफल - 230 वर्ग किमी.

## विशेषताएँ:-

- ♦ उदयन्ती अभ्यारण्य के बीच में उदयन्ती नदी बहती है। जिसमें गोदना जलप्रपात स्थित है।
- ♦ 2009 से टाइगर रिजर्व में शामिल है एवं 2006 में प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल किया गया।
- ♦ सर्वाधिक मात्रा में वनमैसा एवं मोर पाए जाते हैं।
- ♦ उदयन्ती अभ्यारण्य में करनाल रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा शोध किया जा रहा है।
- ♦ उदयन्ती अभ्यारण्य में मादा वनमैसा का जन्म हुआ जिसका नाम - दीपआशा

[CGPSC (Librarian) 2014]

[CGPSC (SEE) 2016]

[Japam (RI) 2015]

## 7. सीतानदी (Sitnadi)

- ♦ जिला - धमतरी
- ♦ स्थापना - 1974
- ♦ क्षेत्रफल - 559 वर्ग किमी.

## विशेषताएँ:-

- ♦ सबसे प्राचीन अभ्यारण्य है।
- ♦ 2009 से टाइगर रिजर्व में शामिल किया गया है। सन 2006 में उदयन्ती के साथ प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल किया गया।
- ♦ सर्वाधिक मात्रा में तेंदुआ पाया जाता है।
- ♦ सीतानदी के नाम पर नामकरण। (महानदी के सहायक नदी, देखुट)

[CGPSC (MI) 2014]

[CGPSC (SEE) 2016]

## 8. अचानकमार (Achanakmar)

- ♦ जिला - मुंगेली
- ♦ स्थापना - 1975
- ♦ क्षेत्रफल - 552 वर्ग किमी.

## विशेषताएँ:-

- ♦ अचानकमार अभ्यारण्य देश का 14 वां बायोस्फीयर रिजर्व है। (2005 में)  
[CG Vyapam (Naap taul) 2008], [Vyapam (SI) 2011], [CG PSC (CMO) 2011], [CGPSC (SEE) 2011]
- ♦ 2009 से टाइगर रिजर्व में शामिल किया गया है, एवं 2006 में प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल किया गया है।
- ♦ अचानकमार के बीचों बीच मनियारी नदी बहती है।
- ♦ सर्वाधिक मात्रा में बाघ पाया जाता है।
- ♦ सिहावल सागर, बोंघ टॉवर मेड़ीसाई।

## 9. भोरमदेव (Bhoramdev) (भोरमदेव मंदिर के नाम पर नामकरण)

- ♦ जिला - कवर्धा
- ♦ स्थापना - 2001
- ♦ क्षेत्रफल - 165 वर्ग किमी.

## विशेषताएँ:-

- ♦ छ.ग. का सबसे नवीन अभ्यारण्य है।

## 10. भैरमगढ़ (Bhairamgarh)

[CG PSC (Pre) 2011]

- ♦ जिला - बीजापुर
- ♦ स्थापना - 1983
- ♦ क्षेत्रफल - 139 वर्ग किमी.

## 11. पामेड़ (Pamed)

- ♦ जिला - बीजापुर
- ♦ स्थापना - 1983
- ♦ क्षेत्रफल - 265 वर्ग किमी.

## नोट :-

- |                           |  |
|---------------------------|--|
| ♦ सबसे प्राचीन अभ्यारण्य  | - सीतानदी (1974 में)                           |
| ♦ सबसे नवीनतम अभ्यारण्य   | - भोरमदेव (2001 में)                           |
| ♦ सबसे बड़ी अभ्यारण्य     | - तोमरपिंगला (608 वर्ग किमी.)                  |
| ♦ सबसे छोटी अभ्यारण्य     | - बादलखोल (105 वर्ग किमी.)                     |
| ♦ सर्वाधिक सोनकुत्ता      | - गोमरदा अभ्यारण्य (रायगढ़) में पाये जाते हैं। |
| ♦ सर्वाधिक बाघ            | - अचानकमार (मुंगेली) में पाये जाते हैं।        |
| ♦ सर्वाधिक नीलगाय         | - तमोर पिंगला, सेमरसोत।                        |
| ♦ सर्वाधिक वनमैसा एवं मोर | - उदयन्ती (गरियाबंद)                           |
| ♦ सर्वाधिक तेंदुआ         | - सीतानदी (धमतरी)                              |

## टाईगर रिजर्व एवं प्रोजेक्ट

नाम	प्रोजेक्ट टाइगर	टाइगर रिजर्व	
1. इन्द्रावती	1982	2009	[CGPSC (mains) - 2011]
2. उदयंती + सीतानदी	2006	2009	
3. अचानकमार	2006	2009	

♦ छ.ग. का चौथा टाइगर रिजर्व गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान एवं तमोरपिंगला अभ्यारण्य को मिलाकर बनाये जाने का प्रावधान है।

## नवीनतम परियोजनाएँ

## कुटुरु गेम सेंचुरी (बीजापुर)

- ♦ स्थान - बीजापुर
- ♦ यह इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत (बीजापुर जिला में) स्थित है।

## गिधवा पक्षी विहार नांदघाट (बेतवा)

- ♦ राज्य का पहली पक्षी विहार जिसे प्रवासी पक्षियों के लिए बनाया गया है।
- ♦ रहंगी पक्षी विहार, रहंगी बिलासपुर राज्य का दूसरा पक्षी विहार।

## तितली पार्क (बस्तुर)

- ♦ राज्य का एकमात्र तितली पार्क जो कांग्रेस घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थापित किया जायेगा।

## बायोस्फीयर रिजर्व :-

- ♦ अचानकमार, अमरकंटक बायोस्फीयर
- ♦ यह देश का 14 वाँ क्रम का बायोस्फीयर है।
- ♦ 2005 में निर्मित।
- ♦ कुल क्षेत्रफल 3838 वर्ग किमी. (2610 वर्ग किमी. छ.ग. में)

नोट:- एशिया का प्रथम बायोस्फीयर रिजर्व - कांग्रेसघाटी राष्ट्रीय उद्यान (1982 में) (वर्तमान में नहीं)

## मगरमच्छ संरक्षण स्थल

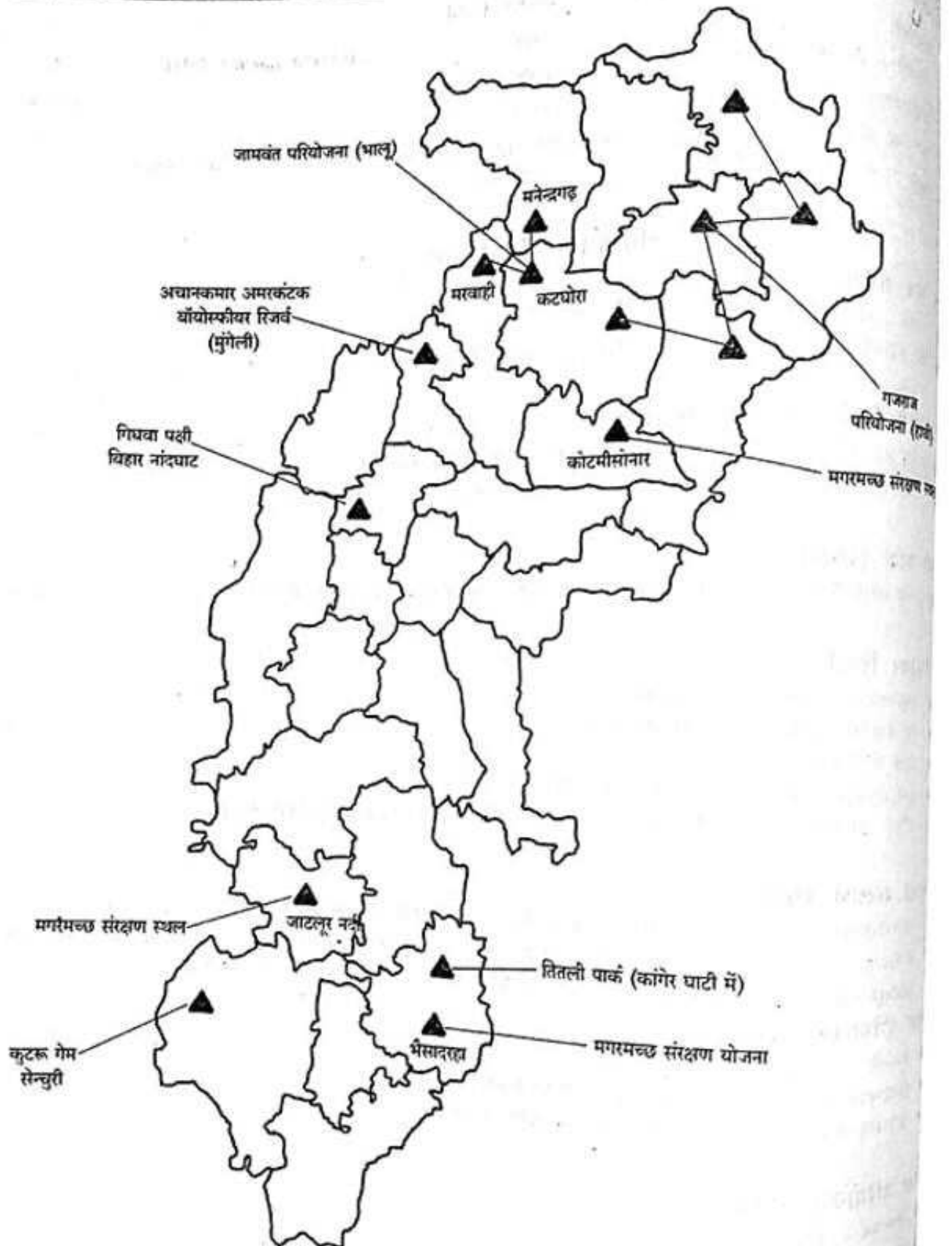
1. कोटमीसोनार - जॉजगीर-चांपा जिला में 2006-07 में कृत्रिम रूप से स्थापित पार्क
2. भैंसादरहा - बस्तुर जिला में कांग्रेस नदी में भैंसादरहा नामक स्थान पर प्राकृतिक रूप से मगरमच्छ पाये जाते हैं।
3. जाटलुर नदी - नारायणपुर के जाटलुर नदी पर प्राकृतिक रूप से मगरमच्छ पाये जाते हैं।

## गजराज परियोजना (हाथी हेतु)

- ♦ शुभारम्भ - 2014
- ♦ क्रियान्वयन क्षेत्र - जशपुर, बलरामपुर, सरगुजा, रायगढ़, कोरवा
- ♦ झारखण्ड में छोटा नागपुर के पठार से छ.ग. में प्रवेश करता है।

## जामवंत परियोजना (भालु)

- ♦ शुभारम्भ - 2014
- ♦ क्षेत्र - मरवाही, कटघोरा, मनेन्द्रगढ़





### छ.ग. के वनोपज संबंधी प्रमुख तथ्य

- ◆ छ.ग. में सर्वाधिक इमारती लकड़ी व इमली - बस्तर में
- ◆ तेंदुपत्ता के प्रमुख उत्पादक जिले - सरगुजा एवं बस्तर
- ◆ लाख उत्पादन में छ.ग. का स्थान - प्रथम में सरगुजा
- ◆ तेंदुपत्ता संग्राहक को 2006 से राज्य सरकार द्वारा चरण पादुका वितरित किया जा रहा है।
- ◆ तेंदुपत्ता को 2013 से साड़ी वितरण कार्यक्रम कांकर से प्रारंभ किया गया है।
- ◆ वन विभाग का प्रमुख - प्रधान प्रमुख वन संरक्षक
- ◆ छ.ग. शासन द्वारा प्रारंभ वृक्षारोपण महाभियान 2010 हरियर छ.ग.
- ◆ छ.ग. में अभ्यारण्य - 11
- ◆ छ.ग. में राष्ट्रीय उद्यान - 03
- ◆ छ.ग. में बायोस्फीयर रिजर्व - 01
- ◆ टाइगर रिजर्व - 03 (इंद्रावती, उदयती, सीतानदी, अचानकमार)
- ◆ गेम सेंचुरी - 01
- ◆ छ.ग. में वन क्षेत्र - 59,772 (44 प्रतिशत)
- ◆ छ.ग. में वन का क्रम - 1. मिश्रित वन (43 प्रतिशत) 2. साल वन (40 प्रतिशत) 3. सागौन वन (9 प्रतिशत) 4. बांस (8-11 प्रतिशत)
- ◆ कत्था प्राप्त किया जाता है - खैर वृक्ष से
- ◆ लाख प्राप्त किया जाता है - पलास, बेर, कुसुम
- ◆ छ.ग. में बांस का क्षेत्रफल - 6556 वर्ग किमी.
- ◆ छ.ग. में वन वृक्ष - 06 (सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग रायपुर, कांकर, बस्तर)
- ◆ छ.ग. में पाये जाने वाले बांस - नर बांस, लाठी बांस
- ◆ छ.ग. में बांस का कुल राजस्व 12 प्रतिशत, लघु वनोपज में - 20 प्रतिशत
- ◆ देश के तेंदु पत्ता उत्पादन में छ.ग. का योगदान - 17 प्रतिशत
- ◆ वन क्षेत्र की दृष्टि से राज्यों का क्रम - 1. मध्यप्रदेश 2. अरुणाचल प्रदेश, 3. छत्तीसगढ़
- ◆ छत्तीसगढ़ को 4 जुलाई 2001 को हर्बल स्टेट घोषित किया गया।
- ◆ छ.ग. राज्य औषधि बोर्ड का गठन 28 जुलाई 2004
- ◆ छ.ग. में इमली का मंडी - बस्तर
- ◆ राष्ट्रीय वन उपज द्वारा घोषित वन - 1. साल, 2. सागौन, 3. साजा, 4. बीजा, 5. शीशम, 6. खैर
- ◆ टाइगर प्रोजेक्ट - 03 (इंद्रावती, अचानकमार, सीतानदी+उदयती)
- ◆ छ.ग. राज्य विकास निगम का गठन - 30 अप्रैल 2001
- ◆ कोटमीसोनार (मगरमच्छ पार्क) की स्थापना - 2006-07
- ◆ हरियर छ.ग. योजना - 2010
- ◆ हरियाली प्रसार योजना - 2005-06
- ◆ निःशुल्क चरण पादुका वितरण योजना - 2005-06

[CG PSC (Asst. Geologist) 2011]

[CG PSC (CMO) - 2010]

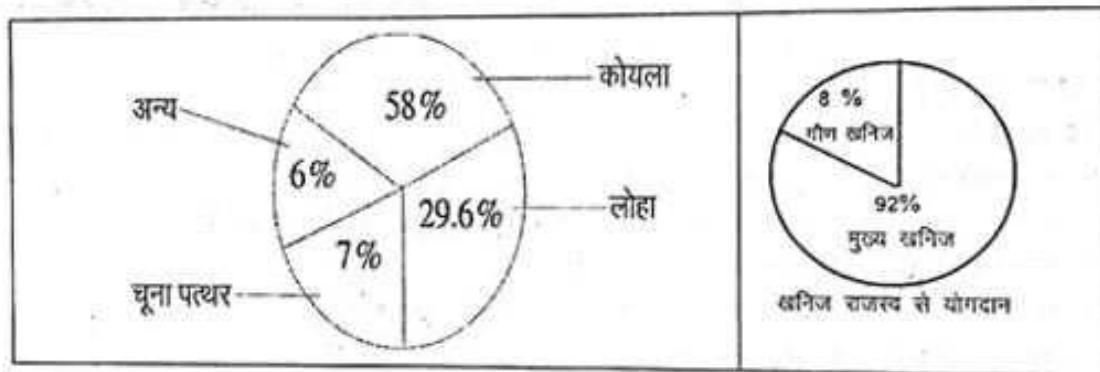
17

## छत्तीसगढ़ की खनिज

छ.ग. एक खनिज सम्पन्न राज्य है जिसमें सर्वाधिक विविध प्रकार की खनिज वस्त्र जिला में पाया जाता है। छ.ग. में 28 प्रकार के खनिज अनुमानित है। जिसमें से 20 प्रकार के खनिज का खनन किया जा चुका है।

### वर्ष 2016-17 के अनुसार (आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17)

- देश के कुल खनिज का छ.ग. उत्पादन 8.2 प्रतिशत
- भारत के मुख्य खनिज राजस्व उत्पादन में राज्य का योगदान 8.2 प्रतिशत (नवम्बर 2016 तक)
- खनिज उपलब्धता की दृष्टि से छ.ग. का स्थान - तीसरा (16 प्रतिशत)
- खनिज उत्पादन की दृष्टि से छ.ग. का स्थान - पांचवा (8.2 प्रतिशत)
- छ.ग. राज्य का राजस्व आय में खनिज का लगभग 27% योगदान है।



### अखिल भारतीय स्तर पर, मुख्य खनिज के भण्डारण एवं उत्पादन प्रतिशत

खनिज का नाम	भण्डारण(%)	प्रतिशत	उत्पादन(%)	स्थान	भारत के खनिज मूल्य में योगदान
कोयला	17.45%	(तीसरा)	20.43%	प्रथम	14.49%
लोहा अयस्क	18.67%	(तीसरा)	15.77%	द्वितीय	22.10%
चूना पत्थर	5.15%	(पांचवा)	9.07%	सातवां	11.01%
बॉक्साइट	4.50%	(चौथा)	7.08%	पांचवा	8.10%
टिन अयस्क	37.69%	(प्रथम)	100%	प्रथम	100%
डोलोमाइट	11.24%	(तीसरा)	39.3%	प्रथम	36.7%

खनिज	सर्वाधिक उत्पादक जिले		
कोयला	1. कोरबा,	2. रायगढ़,	3. कोरिया
चूना	1. बलौदाबाजार,	2. रायपुर,	3. जांजगीर - चाम्पा
लोहा	1. दंतवाड़ा,	2. बालोद,	3. कांकेर
बॉक्साइट	1. बलरामपुर,	2. कवर्धा,	3. सरगुजा
डोलोमाइट	1. बिलासपुर,	2. जांजगीर - चाम्पा,	3. रायगढ़

### खनिज आय

- राज्य के राजस्व आय का 27 प्रतिशत, खनिज राजस्व के रूप में प्राप्त होती है।
- वर्ष 2015-16 में 19213 करोड़ मूल्य के खनिजों का उत्पाद हुआ।

खनिज राज्य में योग (करोड़ रु. में)

मद	2014-15	2015-16	प्रतिशत वृद्धि/कमी
मुख्य खनिज	3364.81	2944.86	- 12.48 प्रतिशत(कमी)
गौण खनिज	193.93	243.07	25.34 प्रतिशत

(स्रोत - आर्थिक सर्वेक्षण 2015-16, पेज - 131)

### देश के खनिज उत्पादन राजस्व में योगदान

वर्ष	छ.ग.	भारत	योगदान का प्रतिशत
2014-15	19416	236554	8.2%
2015-16	19213	234171	8.2%

(स्रोत - आर्थिक सर्वेक्षण 2015-16, पेज - 129)

### खनिज की प्रकृति

मुख्य खनिज के अंतर्गत आने वाले खनिज	गौण खनिज के अंतर्गत आने वाले खनिज
कोयला, लोहा, बॉक्साइट, चूनापत्थर, टिन, सोप स्टोन, ग्रेफाइट, बेलेडियम आदि	ग्रेनाईट, डोलोमाईट, फर्शीपत्थर, मिट्टी, मुरुम, रेत, क्वार्टज, फायरक्ले आदि

मुख्य खनिज का उत्पादन छ.ग. एवं अखिल भारतीय स्तर पर (2015-16)

खनिज का प्रकार	उत्पादन			मूल्य (लाख में)		
	छ.ग.	भारत	% उत्पादन	छ.ग.	भारत	% योगदान
1. कोयला	130550	639021	20.43%	1354460	9349440	14.49%
2. लोहा	24592	155910	15.77%	488684	2211582	22.10%
3. चूनापत्थर	27553	303815	9.07%	66621	605296	11.01%
4. बॉक्साइट	1991	28134	7.08%	11420	140951	8.10%
5. टिन	13547	13541	100%	82	82	100%

### देश के शीर्ष खनिज उत्पादक

- ऑफशोर क्षेत्र - 23.0%
- ओडिशा - 12.5%
- झारखंड - 12.3%
- राजस्थान - 10.06%
- छत्तीसगढ़ - 8.2%



## छत्तीसगढ़ की खनिज

छ.ग. एक खनिज सम्पन्न राज्य है जहाँ निम्न प्रकार के खनिज पाये जाते हैं।

खनिज	जिला	क्षेत्र
कोयला	1. कोरिया	सोनहट, चिरमिरी, झगराखण्ड, झिलमिली, सोहागपुर कुरासिया की पहाड़ी, चर्चा
	2. सूरजपुर	रामकोला, विश्रामपुर,
	3. बलरामपुर	तातापानी, तारा, शंकरगढ़, उड़िया
	4. सरगुजा	लखनपुर, सोड़िया, गोदान, विरजूपानी, सेडू (हसदो-कोल फिल्ड)
	5. कोरबा	दीपका, गेवरा, कुसमुण्डा, मुकुन्दघाट, मानिकपुर
	6. रायगढ़	धरमजयगढ़, घरघोड़ा, मांडघाटी, छाल क्षेत्र
लोहा	1. कवर्धा	एकलामा चेलिकलामा, चिल्कीघाटी
	2. राजनांदगांव	कोरियाटिबू, डोंडीलोहारा
	3. बालौद	दल्लीराजहरा, (मिताई स्टील प्लांट को लौह आयस्क की आपूर्ति की जाती थी)
	4. कांकेर	रावघाट, आरी डोंगरी, भानुप्रतापपुर, चारगांव, मेटाबोदली, हाहालद्दी, घारामा, कोलमसार [CG vyapam2016][CG PSC (LIB.)2014]
	5. नारायणपुर	छोटे डोंगर
	6. दंतोवाड़ा	बैलाडीला (सबसे शुद्ध लौह अयस्क), मालेगर क्षेत्र
चूना	1. बलौदा बाजार	करही, झीपन, रावन, रवान, भाटापारा, सोनाडीह, अम्लीडीह,
	2. रायपुर	तिल्दा, गाढर, बैकुण्ठ, कोसला
	3. दुर्ग	नंदिनीखुंदनी, जामुल, सेमरिया, अछोनी
	4. बिलासपुर	चिल्हाटी, तेन्दुआ।
	5. कवर्धा	रणजीतपुर
	6. बस्तर	मांझीडोंगरी व कांकेर
डोलोमाइट	1. बिलासपुर	हिर्सीमाइन्स व लालखदान,
	2. बलौदा बाजार	भाटापारा, टिकरिया
हीरा	1. गरियाबंद	मैनपुर, पायलीखण्ड, कुसमपुरा, कोदोमाली, बेहराडीह, जांगड़ा



बॉक्साइट	1. बलरामपुर	टाटीझरिया, सामरीपाट, जमीरपाट
	2. सरगुजा	जारंगपाट व मैनपाट, डोंडकरसा, उडंगा, पटपटिया, सात पहाड़ी क्षेत्र
	3. जशपुर	दातुनपानी, खुड़ियापहाड़, पेंझापाट
	4. कोरबा	फुटका पहाड़ी, केरता पहाड़, पवनखेडा
	5. कवर्धा	बोरई दलदली
	6. बस्तर	आसना, तारापुर, कुदारवाही।
	7. कोण्डागोंव	केशकालघाटी
एलेक्जेन्ड्राइट	1. गरियाबंद	देवभोग तहसील के सेंदमुड़ा, लाटापारा
टिन	1. दंतेवाड़ा	बघेली, कटेकल्याण, टेकनार
	2. सुकमा	गोविन्दपाल, मुण्डपाल, चित्तलनार, कौंटा
अध्रक	1. बस्तर	दरभा घाटी (गोलापल्ली)
	2. सुकमा	झीरमघाटी
सोना	1. जशपुर	तपकरा, बरजोल
	2. रायगढ़	सोनझरिया
	3. बलीदाबाजार	सोनाखान, बाघमारा (निलामी के दौरान वेदांता ग्रुप द्वारा खरीदा गया) राजदेश
	4. कांकेर	सोनादेही, मिचगांव
	5. महासमुंद	रेहटी खोल, लिमऊआ मुड़ा
	6. राजनांदगांव	टप्पा क्षेत्र
ग्रेफाइट	1. बस्तर	केरलापाल
कोरुण्डम	1. बीजापुर	भोपालपट्टनम, कुजनुर, धंगोल, उसूर
	2. सुकमा	सोनाकुनार
यूरेनियम	1. राजनांदगांव	भण्डारीटोला
	2. सुरजपुर	प्रतापपुर
गारनेट	1. गरियाबंद	लाटापारा, गोहेकला, धुमकोट

फलोराइड	1. महासमुंद	चुराकुटा, कुरुरमुता, घाटकछार,
	2. राजनांदगांव	चांदीडोंगरी [CG vyapam(PDEO) 2016]
क्वार्टजाइट	1. राजनांदगांव	अमलीडीह, बोरतालाब
संगमरमर	1. बस्तर	[CG PSC(A.P.) 2016]
सीसा	1. दुर्ग, राजनांदगांव	
गारनेट	रायपुर, गरियाबंद, बस्तर	देवभोग, गोहेकला, धुपकोट, लाटापारा, केन्दुवन
तांबा	रायगढ़, राजनांदगांव	
कायनाईट	सुकमा	
सोपस्टोन	कर्वा, बस्तर	
खनिज जल	सरगुजा, बलरामपुर	
फलोराइड	राजनांदगांव, बस्तर, रायगढ़	
एसबेस्टस	बस्तर, दुर्ग	
फेल्सपार	बिलासपुर, रायगढ़	
खनिज तेल	सरगुजा,	
क्वार्टजाइट	दंतेवाड़ा, दुर्ग, राजनांदगांव, रायगढ़	डिलमिली, दानीटोला
सिलीमिनाइट	दंतेवाड़ा बस्तर	
एण्डेलुसाईट	बस्तर, नेतानार	
मोल्डिंग सेण्ड	राजनांदगांव, दुर्ग	
फायर क्ले	कोरबा, रायगढ़, बिलासपुर	
क्वाइट क्ल	राजनांदगांव	
ग्रेफाइट	सरगुजा	
सफेद मिट्टी	बस्तर के भानुपुरा, छींदगढ़	
टाल्क	बस्तर, दुर्ग, राजनांदगांव, सरगुजा	
बेरिल	जशपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर	